नर्सरी द्वारा महिलाओं हेतु स्वरोजगार पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 12.11.2025 को केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, काजरी, में "कृषि वानिकी एवं बागवानी नर्सरी के माध्यम से आजीविका एवं स्वरोजगार" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीडवाना-कुचामन जिले की 32 महिला किसान एवं युवतियां उपस्थित हुयीं | उदघाटन कार्यक्रम में डॉ. प्रियव्रत सांतरा, कार्यवाहक निदेशक, काजरी ने किसान महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता को देखते हुए पौध नर्सरी द्वारा स्वरोजगार एक महिला किसान कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर उच्च गुणवता के पौधे तैयार कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकती हैं। डॉ धीरज सिंह, विभागाध्यक्ष समन्वित कृषि प्रणाली ने भी महिला किसानों को बताया कि थार शोभा खेजड़ी की बढ़ती मांग को देखते हुए कृषि वानिकी वृक्षों एवं फलदार पौधों का पौधशाला में उत्पादन कर रोजगार के संसाधन में वृद्धि कर सकते हैं। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ अर्चना वर्मा ने भी महिलाओं को थार शोभा नर्सरी से संबंधित तकनीकी जानकारी दी एवं डॉ पूनम कालश ने नर्सरी द्वारा स्वरोजगार स्थापित करने के बारे में बताया।

दिनांक 14.11.2025 को संस्थान, में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन हुआ । समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुये डॉ. सुरेश पाल सिंह तँवर, निदेशक, काजरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसान महिलायें कृषि को उधम के रूप में अपनायें एवं आत्मनिर्भर बन कर देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। डॉ धीरज सिंह, प्रभागाध्यक्ष ने किसान महिलाओं को कृषि में नवाचार एवं स्व-रोजगार अपनाने पर बल दिया । प्रशिक्षण समन्वयक डॉ अर्चना वर्मा ने भी महिलाओं को थार शोभा नर्सरी से सम्बंधित तकनीकी जानकारी दी एवं डॉ. पूनम कालश ने नर्सरी द्वारा स्वरोजगार स्थापित करने के बारे में बताया । महिला किसानों ने स्वयं 'लर्निंग बाय डूइंग', के माध्यम से खेजड़ी में बडिंग एवं ग्राफ्टिंग की तकनीक सीखकर प्रदर्शित भी की | कार्यक्रम के दौरान

वैज्ञानिक डॉ ऋतु मावर, डॉ सोमा श्रीवास्तव, डॉ मंजूनाथ, डॉ दीपिका, डॉ. ओ. पी मीना एवं अन्य तकनीकी अधिकारी भी उपस्थित रहे । तथा इस कार्यक्रम में कृषि पर्यवेक्षक श्रीमती सुमन एवं श्रीमती कांता की भी सक्रिय भागीदारी रही । प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीडवाना-कुचामन जिले की 32 किसान महिलाओं एवं युवतियों ने उत्साह एवं रुचिपूर्वक नर्सरी स्थापित करने की तकनीकियाँ सीखी। यह कार्यक्रम आत्मा परियोजना, डीडवाना, कुचामन द्वारा प्रायोजित है ।